भारत सरकार **लोक सभा**
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय **अतारांकित प्रश्न सं.03**
वाणिज्य विभाग

दिनांक 7 दिसंबर, 2022 को उत्तर दिए जाने के लिए

टूटे चावल का निर्यात

3. श्रीमती कविता मलोथू :
डॉ.जी.रणजीत रेड्डी :
डॉ.वेंकटेश नेता बोरलाकुंता :

क्या वाणिज्य और उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच नहीं है कि भू-राजनीतिक कारणों से अंतरराष्ट्रीय बाजार में टूटे चावल की भारी मांग रही है;

(ख)यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या यह भी सच नहीं है कि पिछले चार वर्षों में टूटे चावल के निर्यात में 40 गुना से अधिक की वृद्धि हुई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या अप्रैल-अगस्त, 2022 के बीच 21.03 लाख टन टूटे चावल का निर्यात किया गया; और
(ड.) यदि हां, तो देश से टूटे चावल के निर्यात पर प्रतिबंध लगाए जाने के क्या कारण हैं?

उत्तर

<u>वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री</u>
(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क) और (ख): जी हां। भारतीय टूटे चावल की अंतर्राष्ट्रीय बाजार में मांग में भू-राजनीतिक कारणों से अचानक वृद्धि हुई है। भारत के टूटे चावल का निर्यात 2021-22 (अप्रैल-सितंबर) में 17.86 लाख एमटी से बढ़कर 2022-23 (अप्रैल-सितंबर) में 23.82 लाख एमटी हो गया है, जिससे 33.37% की वृद्धि दर्ज हुई।

(ग): जी नहीं। भारत से टूटे चावल का निर्यात पिछले चार वर्षों में लगभग तीन गुना बढ़ गया है यानी मात्रा एवं मूल्य के संदर्भ में 2018-19 में 12.21 लाख एमटी से बढ़कर 2021-22 में 38.90 लाख एमटी हो गया है, अर्थात 2018-19 में 369.58 मिलियन अमरीकी डॉलर से बढ़कर 2021-22 में 1132.94 मिलियन अमरीकी डॉलर हो गया है। तथापि, महामारी और अफ्रिका के प्रमुख आयातक देशों की घरेलू नीतियों के कारण 2019-20 में टूटे हुए चावल के निर्यात में कमी देखी गई है। विवरण नीचे तालिका में दिया गया है:-

वर्ष	**मात्रा एम टी में**	**मूल्य मिलियन अमरीकी डॉलर में**
2018-19	12,21,617	369.58
2019-20	2,70,338	82.48
2020-21	20,64,562	595.69
2021-22	38,90,866	1132.94
2021-22 (अप्रैल-सितंबर)	17,86,435	516.89
2022-23 * (अप्रैल-सितंबर)	23,81,657	764.81

स्रोत: डीजीसीआईएस, कोलकाता।
* 2022-23 के आंकड़े अनंतिम हैं और इसमें परिवर्तन हो सकता है।

(घ): अप्रैल-अगस्त, 2022 की अवधि के दौरान भारत से कुल 21.64 लाख एमटी टूटे चावल का निर्यात किया गया।

(ङ): टूटे हुए चावल का उपयोग मुख्य रूप से इथेनॉल उत्पादन और पॉउल्ट्री और पशु चारे के रूप में किया जाता है। जैसा कि उपरोक्त पैरा-(ग) की तालिका से स्पष्ट है, भारतीय टूटे चावल की मांग में मौजूदा भू-राजनीतिक स्थिति के कारण से अचानक वृद्धि हुई है। इसके अलावा, कृषि और किसान कल्याण विभाग के आर्थिक और सांख्यिकी निदेशालय द्वारा जारी 2022-23 के प्रथम अग्रिम अनुमान के अनुसार, चावल का उत्पादन चालू वर्ष के लिए निर्धारित लक्ष्य से कम होने का अनुमान है। इसलिए, घरेलू बाजार में टूटे चावल की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए, सरकार ने टूटे चावल के निर्यात पर 9 सितंबर, 2022 से रोक लगा दी है।

***